Report
National Seminar on
"Innovative Research Approaches to Achieve Sustainable Development Goals"
on 25-03-2025

A one-day national-level multidisciplinary **offline seminar** on the theme *"Innovative Research Approaches to Achieve Sustainable Development Goals (SDGs)"* was successfully organized at **Babu Anant Ram Janta College, Kaul**, sponsored by the **Directorate of Higher Education, Panchkula**. The seminar was conducted under the esteemed **chairmanship of Principal Dr. Rishipal**.

The event commenced with **floral tributes** paid to the revered late **Babu Anant Ram Ji** and **Ch. Ishwar Singh Ji**, former Speaker of the Haryana Vidhan Sabha. The program formally began with the **lighting of the ceremonial lamp before Goddess Saraswati** symbolizing the quest for knowledge and wisdom.

Principal **Dr. Rishipal** welcomed and introduced the chief guest. **Dr. Prerna**, the convener of the seminar shared the objectives of the event emphasizing the need for innovative approaches in research to address global challenges. The proceedings of the seminar were eloquently conducted by **Dr. Nancy** and **Dr. Meenakshi**. Vote of thanks for the various sessions was extended by **Dr. Sandeep Kumar** and **Dr. Anita Nain**.

The **keynote address** was delivered by **Dr. Manjeet Singh** from Punjabi University, Patiala who shed light on the critical importance of innovative research methodologies in achieving SDGs. He highlighted the rising significance of **technology and creative solutions** in addressing challenges such as poverty, inequality and climate change.

In the **second session**, **Prof. Anil Mittal** emphasized the need for adopting **novel research and development strategies** to fulfill the targets outlined in the SDGs. He stated that the integration of innovative research in R&D sectors is essential for sustainable progress.

Dr. Vikas Singla, another distinguished speaker elaborated that adopting **innovative research approaches** means seeking **new and creative solutions** to persistent issues like environmental degradation, economic disparity and social inequality. He stressed the need to align research with the **three pillars of sustainable development**: economic growth, social inclusion and environmental protection.

The following session featured **Dr. Anil Kumar** as the resource person who discussed the necessity of strategies that not only promote **economic development** but also address **climate change, environmental protection** and provide for **education, healthcare, social security and employment**.

The seminar also saw valuable contributions from eminent academicians such as **Dr. Abha Bansal**, Principal, S.A. Jain College, Ambala; **Dr. Surendra Nagia**, Principal, Government College, Karnal; **Dr. Sheeshpal**, Principal, Bhagwan Parshuram College, Kurukshetra; and **Dr. Subhash**, Principal, Government College, Karnal. Their insightful addresses further enriched the theme and discussions.

Principal **Dr. Rishipal** expressed that the seminar aimed to provide a **unique platform for students and teachers** to learn about the latest techniques and research strategies crucial for achieving SDGs. He emphasized the importance of equipping participants with **skills and knowledge** needed to contribute effectively to sustainable development.

The seminar witnessed enthusiastic participation from **students and faculty members** across various universities and colleges. Numerous research papers were presented during the event followed by engaging discussions and queries which were addressed by the keynote speakers with depth and clarity.

The event concluded with the **plantation of a Triveni sapling** in the college premises symbolizing a commitment to environmental sustainability. **Chaudhary Tejvir Singh**, President of the College Managing Committee, extended his **heartfelt congratulations and best wishes** to all the organizers and participants for the seminar's grand success.

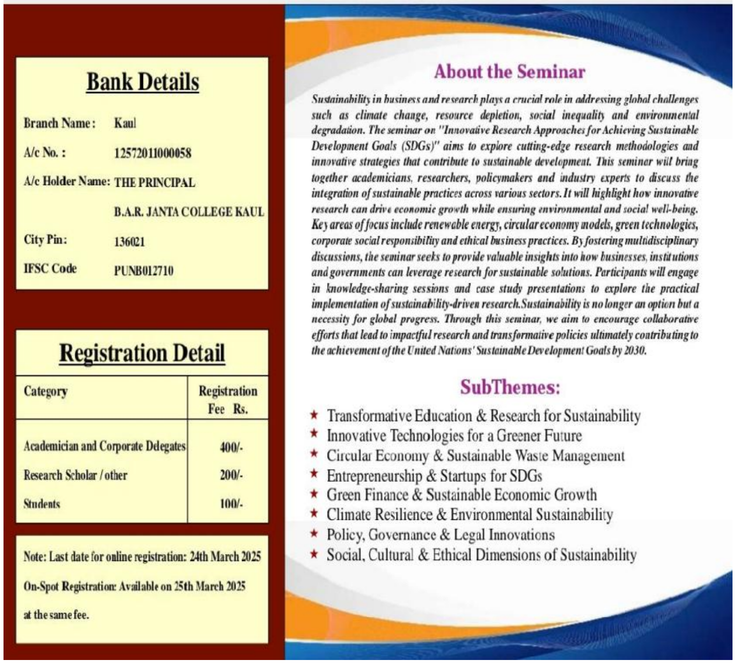

जनता कॉलेज कौल में अनुसंधान दृष्टिकोण विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार

नवाचारी अनुसंधान दृष्टिकोणों के महत्व पर डाला प्रकाश

अर्थ प्रकाश/ओम प्रकाश

कैथल, 25 मार्च। बाबू अनंत राम जनता कॉलेज कौल में निदेशालय उच्चतर शिक्षा विभाग पंचकूला द्वारा प्रायोजित सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अभिनव अनुसंधान दृष्टिकोण विषय पर एक दिवसीय बहु-विषयक ऑफलाइन राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। यह सेमीनार प्राचार्य डॉ. ऋषिपाल की अध्यक्षता में आयोजित किया गया था। सेमीनार की शुरुआत स्व. बाबू अनंत राम व चौ. ईश्वर सिंह पूर्व विधानसभा अध्यक्ष को पुष्पांजलि देकर की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया गया। इसके बाद प्राचार्य डॉ. ऋषिपाल ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और परिचय करवाया। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. प्रेरणा ने सेमिनार के उद्देश्यों को सांझा किया। मंच संचालन डॉक्टर नैंसी एवं मीनाक्षी ने किया। अलग-अलग सत्रों का धन्यवाद ज्ञापित डॉक्टर संदीप कुमार एवं डॉ अनीता ने किया। मुख्य वक्ता डॉ. मंजीत सिंह पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला ने सेमिनार में विभिन्न विषयों पर चर्चा की, जिसमें सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए नवाचारी अनुसंधान दृष्टिकोणों का महत्व पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने कहा कि सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए हमें नवाचारी और प्रभावी तरीकों का उपयोग करना होगा। सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रौद्योगिकी का महत्व बढ़ गया है। हमें प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अभिनव दृष्टिकोणों का उपयोग करके सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकते हैं। द्वितीय सत्र में विशेष वक्ता प्रो. अनिल मित्तल ने अपने व्याख्यान में कहा कि सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए नवाचारी अनुसंधान दृष्टिकोणों का महत्व बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में नवाचारी दृष्टिकोणों का उपयोग करके हम सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकते हैं। प्रो. मित्तल ने आगे कहा कि सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए हमें अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में नवाचारी दृष्टिकोणों का उपयोग करना होगा। विशेष वक्ता डॉ. विकास सिंगला ने कहा सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अभिनव अनुसंधान दृष्टिकोण अपनाने का मतलब है, मौजूदा चुनौतियों के समाधान के लिए नए और रचनात्मक तरीके खोजना, जैसे कि जलवायु परिवर्तन, गरीबी और असमानता। अगले सत्र में रिसोर्स पर्सन डॉ. अनिल कुमार ने कहा गरीबी को समाप्त करने के लिए ऐसी रणनीतियों के साथ-साथ चलना चाहिए जो आर्थिक विकास को बढ़ावा दें और जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संरक्षण से निपटने के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और नौकरी के अवसरों सहित कई सामाजिक जरूरतों को पूरा करें।

सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए नवाचारी अनुसंधान दृष्टिकोणों का महत्व बढ़ा : मित्तल

संवाद सहयोगी, जागरण • ढांड : बाबू अनंत राम जनता कालेज कौल में निदेशालय, उच्चतर शिक्षा विभाग, पंचकूला द्वारा प्रायोजित सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अभिनव अनुसंधान दृष्टिकोण विषय पर एक दिवसीय बहु-विषयक राष्ट्रीय सेमिनार हुआ। यह सेमिनार प्राचार्य डा. ऋषिपाल की अध्यक्षता में आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम में पहुंचे अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित करते हुए डा. ऋषिपाल एवं स्टाफ सदस्य। •जागरण

कार्यक्रम की शुरुआत स्वर्गीय बाबू अनंत राम व पूर्व विधानसभा अध्यक्ष स्व. ईश्वर सिंह को पुष्पांजलि देकर की गई। मंच का संचालन डा. नैंसी एवं मीनाक्षी ने किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला के डा. मंजीत सिंह ने सेमिनार में विभिन्न विषयों पर चर्चा की, जिसमें सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए नवाचारी अनुसंधान दृष्टिकोणों का महत्व पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने कहा कि सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए हमें नवाचारी और प्रभावी तरीकों का उपयोग करना होगा। सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रौद्योगिकी का महत्व बढ़ गया है। द्वितीय सत्र में विशेष वक्ता प्रो. अनिल मित्तल ने अपने व्याख्यान में कहा कि सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए नवाचारी अनुसंधान दृष्टिकोणों का महत्व बढ़ गया है।

उन्होंने कहा कि अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में नवाचारी दृष्टिकोणों का उपयोग करके हम सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकते हैं। प्रो. मित्तल ने कहा कि सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए हमें अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में नवाचारी दृष्टिकोणों का उपयोग करना होगा। डा. विकास सिंगला ने कहा कि सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अभिनव अनुसंधान दृष्टिकोण अपनाने का मतलब है, मौजूदा चुनौतियों के समाधान के लिए नए और रचनात्मक तरीके खोजना, जैसे कि जलवायु परिवर्तन, गरीबी और असमानता।

कार्यक्रम में एसए जैन कालेज की प्राचार्य अंबाला डा. आभा बंसल, गवर्नमेंट कालेज करनाल के प्रिंसिपल डा. सुरेंद्र नागिया, भगवान परशुराम कालेज कुरुक्षेत्र के प्रिंसिपल डा. शीशपाल आदि ने भी अपने विचार रखे।

बाबू अनंत राम जनता कॉलेज में अभिनव अनुसंधान दृष्टिकोण विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन

निसिंग (जोगिन्द्र सिंह/ : बाबू अनंत राम जनता कॉलेज कौल में सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अभिनव अनुसंधान दृष्टिकोण विषय पर एक दिवसीय बहु-विषयक ऑफ़लाइन राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। यह सेमिनार प्राचार्य डॉ. ऋषिपाल की अध्यक्षता में आयोजित किया गया था। सेमिनार की शुरुआत स्वर्गीय बाबू अनंत राम व चौ. ईश्वर सिंह पूर्व विधानसभा अध्यक्ष को पुष्पांजलि देकर की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया गया। इसके बाद प्राचार्य डॉ. ऋषिपाल ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और परिचय करवाया। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. प्रेरणा ने सेमिनार के उद्देश्यों को सांझा किया। मंच संचालन डॉक्टर नैंसी एवं मीनाक्षी ने किया। अलग-अलग सत्रो का धन्यवाद ज्ञापित डॉक्टर संदीप कुमार एवं डॉ अनीता ने किया। मुख्य वक्ता डॉ. मंजीत सिंह पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला ने सेमिनार में विभिन्न विषयों पर चर्चा की, जिसमें सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए नवाचारी अनुसंधान दृष्टिकोणों का महत्व पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने कहा कि सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए हमें नवाचारी और प्रभावी तरीकों का उपयोग करना होगा।

सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रौद्योगिकी का महत्व बढ़ गया है। हमें प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अभिनव दृष्टिकोणों का उपयोग करके सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकते हैं। द्वितीय सत्र में विशेष वक्ता प्रो.अनिल मित्तल ने अपने व्याख्यान में कहा कि सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए नवाचारी अनुसंधान दृष्टिकोणों का महत्व बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में नवाचारी दृष्टिकोणों का उपयोग करके हम सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकते हैं। प्रो. मित्तल ने आगे कहा कि सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए हमें अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में नवाचारी दृष्टिकोणों का उपयोग करना होगा। विशेष वक्ता डॉ. विकास सिंगला ने कहा सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अभिनव अनुसंधान दृष्टिकोण अपनाने का मतलब है, मौजूदा चुनौतियों के समाधान के लिए नए और रचनात्मक तरीके खोजना, जैसे कि जलवायु परिवर्तन, गरीबी और असमानता। सतत विकास के तीन स्तंभ- आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय स्थिरता को ध्यान में रखते हुए, अनुसंधान किया जाना चाहिए। अगले सत्र में रिसोर्स पर्सन डॉ.अनिल कुमार ने कहा गरीबी को समाप्त करने के लिए ऐसी रणनीतियों के साथ-साथ चलना चाहिए जो आर्थिक विकास को बढ़ावा दें और जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संरक्षण से निपटने के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और नौकरी के अवसरों सहित कई सामाजिक जरूरतों को पूरा करें। उक्त विषय को डॉक्टर आभा बंसल प्राचार्य, एस ए जैन कॉलेज, अंबाला, डॉक्टर सुरेंद्र नागिया प्रिंसिपल गवर्नमेंट कॉलेज, करनाल, डॉ शीशपाल प्रिंसिपल भगवान परशुराम कॉलेज, कुरुक्षेत्र, डॉक्टर सुभाष प्रिंसिपल गवर्नमेंट कॉलेज, करनाल आदि ने अपने विचार व्यक्त करते हुए विषय को सार्थक किया। प्राचार्य डॉ. ऋषिपाल ने बताया कि यह सेमिनार छात्रों और शिक्षकों के बीच एक अद्वितीय मंच प्रदान करने का उद्देश्य रखता है, जिससे उन्हें नवीनतम और प्रभावी तकनीकों के बारे में जानकारी प्राप्त हो। उन्होंने कहा कि इस सेमिनार का उद्देश्य सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान को बढ़ावा देना है। इस सेमिनार में विभिन्न विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के छात्रों और शिक्षकों ने भाग लिया। सेमिनार के दौरान, विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई और सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए नवाचारी अनुसंधान दृष्टिकोणों पर प्रकाश डाला गया। अनेक शिक्षकों सुधार्थियों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किया वह जिज्ञासा व्यक्त की जिनको मुख्य वक्ता आदि ने अपने शब्दों से समझाया। इस अवसर पर, प्राचार्य डॉ. ऋषिपाल ने कहा कि यह सेमिनार सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि इस सेमिनार के माध्यम से, हम सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान को बढ़ावा देने का प्रयास कर रहे हैं। संगोष्ठी के समापन के उपरांत कॉलेज प्रांगण में त्रिवेणी आरोपित की गई। प्रबंधक समिति के प्रधान चौधरी तेजवीर सिंह ने सभी आयोजकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

भास्कर

मान्यता है कि इस दिन पितरों का ... है। साथ ही इस दिन दान और ... नाम का तर्पण भी करें। साथ ही

सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने को प्रभावी तरीकों का उपयोग करना होगा: डॉ. मंजीत सिंह

ढांड| उच्चतर शिक्षा विभाग पंचकूला के सौजन्य से बाबू अनंत राम जनता कॉलेज कौल में अभिनव अनुसंधान दृष्टिकोण विषय पर एक दिवसीय बहु-विषयक राष्ट्रीय सेमिनार किया गया। मुख्य वक्ता के तौर पर पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला के डॉ. मंजीत सिंह ने शिरकत की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. ऋषिपाल ने की। इस अवसर पर डॉ. मनजीत सिंह ने विभिन्न विषयों पर चर्चा करते हुए सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए नवाचारी अनुसंधान दृष्टिकोणों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए हमें नवाचारी और प्रभावी तरीकों का उपयोग करना होगा। सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रौद्योगिकी का महत्व बढ़ गया है। द्वितीय सत्र में विशेष वक्ता प्रो. अनिल मित्तल ने कहा कि अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में नवाचारी दृष्टिकोणों का उपयोग करके हम सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकते हैं। विशेष वक्ता डॉ. विकास सिंगला ने कहा सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अभिनव अनुसंधान दृष्टिकोण अपनाने का मतलब है, मौजूदा चुनौतियों के समाधान के लिए नए और रचनात्मक तरीके खोजना। जैसे कि जलवायु परिवर्तन, गरीबी और असमानता। सतत विकास के 3 स्तंभ आर्थिक,

व्याख्यान प्रस्तुत करते वक्ता।

सामाजिक और पर्यावरणीय स्थिरता को ध्यान में रखते हुए अनुसंधान किया जाना चाहिए। प्राचार्य ने बताया कि यह सेमिनार छात्रों और शिक्षकों के बीच एक अद्वितीय मंच प्रदान करने का उद्देश्य रखता है, जिससे उन्हें नवीनतम और प्रभावी तकनीकों के बारे में जानकारी प्राप्त हो।

आँचलिक खबरें
डिजिटल अपनों की खबर आप तक ...
पेज 12 Email-aanchalikkhabre@gmail.com www.aanchalikkhabre.com नई दिल्ली- बुधवार 26 मार्च 2025

बाबू अनंत राम जनता कॉलेज कौल में अभिनव अनुसंधान दृष्टिकोण विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का हुआ आयोजन

डिजिटल बदलावों को आगे बढ़ाने में मदद करता है नवाचार

आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय स्थिरता को ध्यान में रखते हुए अनुसंधान किया जाना चाहिए : डॉ. सिंगला

संवाद न्यूज एजेंसी

ढांड। उच्चतर शिक्षा विभाग पंचकूला के सौजन्य से बाबू अनंत राम जनता कॉलेज कौल में अभिनव अनुसंधान दृष्टिकोण विषय पर एक दिवसीय बहु-विषयक राष्ट्रीय सेमिनार को आयोजन किया गया। इसमें मुख्य वक्ता के तौर पर पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला के डॉ. मंजीत सिंह ने शिरकत की। उन्होंने नवाचारी अनुसंधान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह समाज में चल रहे हरित और डिजिटल बदलावों को आगे बढ़ाने में मदद करता है।

उन्होंने विभिन्न विषयों पर चर्चा करते हुए सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए नवाचारी अनुसंधान दृष्टिकोणों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए हमें नवाचारी और प्रभावी तरीकों का उपयोग करना होगा। सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रौद्योगिकी का महत्व बढ़ गया है।

बाबू अनंत राम जनता कॉलेज कौल में आयोजित सेमिनार में मौजूद छात्र-छात्राएं व स्टाफ। संस्थान

उन्होंने कहा कि हम प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अभिनव दृष्टिकोणों का उपयोग करके सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकते हैं। द्वितीय सत्र में विशेष वक्ता प्रो. अनिल मित्तल ने कहा कि अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में नवाचारी दृष्टिकोणों का उपयोग करके हम सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकते हैं।

ये हैं फायदे

- नवाचार अनुसंधान से नए उत्पाद और सेवाएं विकसित होती हैं।
- नई प्रक्रियाएं लागू होती हैं।
- व्यवसाय लंबे समय तक प्रतिस्पर्धी और टिकाऊ रहता है।
- समुदायों को मजबूती मिलती है।
- अर्थव्यवस्था बढ़ती है.
- प्रतिस्पर्धी कार्यबल तैयार होता है।
- जटिल चुनौतियों से निपटा जाता है।

विशेष वक्ता डॉ. विकास सिंगला ने कहा सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अभिनव अनुसंधान दृष्टिकोण अपनाने का मतलब है, मौजूदा चुनौतियों के समाधान के लिए नए और रचनात्मक तरीके खोजना। जैसे कि जलवायु परिवर्तन, गरीबी और असमानता। इस दौरान सतत विकास के तीन स्तंभ आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय स्थिरता को ध्यान में रखते हुए अनुसंधान किया जाना चाहिए।

अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डा. ऋषिपाल ने कहा कि यह सेमिनार छात्रों और शिक्षकों के बीच एक अद्वितीय मंच प्रदान करने का उद्देश्य रखता है। जिससे उन्हें नवीनतम और प्रभावी तकनीकों के बारे में जानकारी प्राप्त हो।

बाबू अनंत राम जनता कॉलेज, कौल में सेमिनार आयोजित

करनाल(मेहर सिंह)। बाबू अनंत राम जनता कॉलेज, कौल में निदेशालय,उच्चतर शिक्षा विभाग, पंचकूला द्वारा प्रायोजित «सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अभिनव अनुसंधान दृष्टिकोण» विषय पर एक दिवसीय बहु-विषयक ऑफ़लाइन राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। यह सेमिनार प्राचार्य डॉ. ऋषिपाल की अध्यक्षता में आयोजित किया गया था। सेमिनार की शुरुआत स्वर्गीय बाबू अनंत राम व चौ. ईश्वर सिंह जी पूर्व विधानसभा अध्यक्ष को पुष्पांजलि देकर की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया गया। इसके बाद प्राचार्य डॉ. ऋषिपाल ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और परिचय करवाया। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. प्रेरणा ने सेमिनार के उद्देश्यों को सांझा किया। मंच संचालन डॉक्टर नैंसी एवं मीनाक्षी ने किया। अलग-अलग सत्रो का धन्यवाद ज्ञापित डॉक्टर संदीप कुमार एवं डॉ अनीता ने किया। मुख्य वक्ता डॉ. मंजीत सिंह पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला ने सेमिनार में विभिन्न विषयों पर चर्चा की, जिसमें सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए नवाचारी अनुसंधान दृष्टिकोणों का महत्व पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने कहा कि सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए हमें नवाचारी और प्रभावी तरीकों का उपयोग करना होगा। सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रौद्योगिकी का महत्व बढ़ गया है। हमें प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अभिनव दृष्टिकोणों का उपयोग करके सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकते हैं। द्वितीय सत्र में विशेष वक्ता प्रो.अनिल मित्तल ने अपने व्याख्यान में कहा कि सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए नवाचारी अनुसंधान दृष्टिकोणों का महत्व बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में नवाचारी दृष्टिकोणों का उपयोग करके हम सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकते हैं। प्रो. मित्तल ने आगे कहा कि सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए हमें अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में नवाचारी दृष्टिकोणों का उपयोग करना होगा। विशेष वक्ता डॉ. विकास सिंगला ने कहा सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने के लिए अभिनव अनुसंधान दृष्टिकोण अपनाने का मतलब है, मौजूदा चुनौतियों के समाधान के लिए नए और रचनात्मक तरीके खोजना, जैसे कि जलवायु परिवर्तन, गरीबी और असमानता। सतत विकास के तीन स्तंभ- आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय स्थिरता को ध्यान में रखते हुए, अनुसंधान किया जाना चाहिए। अगले सत्र में रिसोर्स पर्सन डॉ.अनिल कुमार ने कहा गरीबी को समाप्त करने के लिए ऐसी रणनीतियों के साथ-साथ चलना चाहिए जो आर्थिक विकास को बढ़ावा दें और जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संरक्षण से निपटने के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और नौकरी के अवसरों सहित कई सामाजिक जरूरतों को पूरा करें। उक्त विषय को डॉक्टर आभा बंसल प्राचार्य, एस ए जैन कॉलेज, अंबाला, डॉक्टर सुरेंद्र नागिया प्रिंसिपल गवर्नमेंट कॉलेज, करनाल, डॉ शीशपाल प्रिंसिपल भगवान परशुराम कॉलेज, कुरुक्षेत्र, डॉक्टर सुभाष प्रिंसिपल गवर्नमेंट कॉलेज, करनाल आदि ने अपने विचार व्यक्त करते हुए विषय को सार्थक किया।

VISIONARY FOUNDERS
Our Inspirations
Innovative Research Approaches for Achieving Sustainable Development Goals